University in News on 02 April 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

कोरोना की दहशत के चलते नहीं शुरू हुईं कक्षाएं

लखनऊ विश्वविद्यालय समेत लगभग सभी कॉलेजों में रहा सन्नाटा, पूर्व शिक्षक की मौत के बाद हर तरफ घबराहट

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में छह से अधिक शिक्षकों के कोरोना संक्रमित होने व पूर्व परीक्षा नियंत्रक के निधन के बाद से दहशत का माहौल है। होली की छुट्टी खत्म होने के बाद भी बृहस्पतिवार को परिसर में सन्नाटा रहा और कक्षाएं भी नहीं चलीं। सहयुक्त कॉलेजों की भी कमोबेश यही स्थिति रही है। वहां भी क्लासेज शुरू नहीं हो सकीं।

बृहस्पतिवार सुबह पूर्व शिक्षक के कोरोना संक्रमित होने के बाद निधन की सूचना से लविवि परिसर में काफी दहशत का माहौल था। काफी शिक्षक आए ही नहीं, जो आए भी वो अपने कमरे में ही रहे। काफी शिक्षक कोरोना टीकाकरण की तैयारी में लगे थे। विद्यार्थियों की संख्या भी काफी कम रही और क्लास नहीं चली। दोपहर होते-होते परिसर में पूरी तरह सन्नाटा पसर गया था और विभाग भी खाली हो गए थे। संक्रमण बढ़ने की वजह से कॉलेज भी अभी कक्षाओं को लेकर कोई निर्णय नहीं ले पा रहे हैं। कुछ कॉलेजों ने विवि प्रशासन से इसके लिए संपर्क किया है। हालांकि अभी वो खुद पसोपेश की स्थिति में हैं। वहीं लुआक्टा ने भी परीक्षाएं न कराने की मांग की।

आज लगेगा जांच कैम्प : लखनऊ विश्वविद्यालय में काफी संख्या में शिक्षकों के संक्रमित होने के बाद शुक्रवार को पैवेलियन ग्राउंड (प्रॉक्टर ऑफिस के सामने) कोविड जांच शिविर लगाया जा रहा है। प्रॉक्टर प्रो. दिनेश कुमार ने कोविड जांच के लिए सुबह 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक शिक्षकों से पहुंचने को कहा है। इससे पहले रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने जिला प्रशासन को पत्र भेजकर विवि में मास टेस्टिंग के लिए जांच कैंप लगाने की मांग की थी।

लविवि कर्मचारियों ने की टीकाकरण की मांग : कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए लविवि कर्मचारी परिषद के पूर्व अध्यक्ष रिंकू राय ने लविवि प्रशासन से शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों के टीकाकरण की मांग की है। रजिस्ट्रार को पत्र भेजकर उन्होंने कहा है कि इस समय सभी जगह निःशुल्क टीकाकरण की व्यवस्था है। विवि स्थित डिस्पेंसरी में इसके लिए कैम्प लगाकर टीकाकरण होना चाहिए।

लविवि परिसर में छाया सन्नाटा।

लविवि : पांच से प्रस्तावित परीक्षाओं पर संकट

कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों से लखनऊ विश्वविद्यालय में दोहरा संकट खड़ा हो गया है। एक तरफ जहां नियमित क्लासेज नहीं चल पा रही हैं, वहीं काफी शिक्षकों के संक्रमित होने से 05 अप्रैल से प्रस्तावित परीक्षाओं पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (लूटा) व शिक्षकों ने परीक्षा टालने की मांग की है। लविवि में 05 अप्रैल से एमबीए व 06 अप्रैल से बीए, बीएससी, बीकॉम फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। इनमें छात्रों की संख्या काफी ज्यादा है। इसी बीच कई शिक्षक कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। इससे सहमे शिक्षकों ने परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना से मिलकर भी परीक्षा स्थगित करने की मांग की है। जबकि होली के बाद काफी स्टूडेंट्स भी वापस नहीं लौटे हैं। लूटा अध्यक्ष डॉ. विनीत वर्मा व महामंत्री डॉ. राजेंद्र वर्मा ने शासन व विवि प्रशासन से परीक्षा टालने की मांग की है। उन्होंने शिक्षकों व विद्यार्थियों के व्यापक हित में इसे जरूरी बताया है। उन्होंने कहा है कि परीक्षा में काफी संख्या में विद्यार्थी शामिल होंगे जो इस समय ठीक नहीं है। लूटा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. नीरज जैन ने भी फिलहाल परीक्षा स्थगित करने की मांग की है। वहीं इस बारे में परीक्षा नियंत्रक ने कहा कि परीक्षा टालने पर विवि प्रशासन ही ठोस निर्णय लेगा।

कोरोना के मामलों को देखते हुए शिक्षक संघ ने परीक्षा स्थगित करने की उठाई मांग, विद्यार्थी भी नहीं आ रहे

बीएड के लिए 5.91 लाख आवेदन

लखनऊ। उ.प्र. संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2021-23 के लिए 5,91,252 आवेदन हुए हैं। विलंब शुल्क के साथ 31 मार्च को आवेदन की अंतिम तिथि समाप्त हो गई है। इस बार यह संयुक्त प्रवेश परीक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय करा रहा है। पिछली बार इस परीक्षा के लिए कुल 5,50,000 आवेदन हुए थे। परीक्षा के राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि यदि ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदक द्वारा भरी गई सूचनाओं में कोई त्रुटि है तो वे चार अप्रैल तक इसमें संशोधन कर सकते हैं। आवेदक सिर्फ विषय वर्ग, लिंग, भारांक तथा परीक्षा केंद्र में ही संशोधन कर सकेंगे। अभ्यर्थियों को सुझाव दिया है कि पुनः संशोधित आवेदन पत्र के प्रिंट आउट की मूलप्रति/छायाप्रति एवं उसकी पंजीकरण संख्या भविष्य में संदर्भ के लिए अपने पास सुरक्षित रखें।

DAINIK JAGRAN PAGE 4

शिक्षकों ने जताया शोक

प्रोफेसर एके शर्मा

लविवि के सेवानिवृत्त प्रोफेसर एके शर्मा को गोमतीनगर के निजी अस्पताल में कोरोना से स्थिति गंभीर होने पर भर्ती कराया गया था। उनके आकस्मिक निधन से विवि के शिक्षकों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। दो दिन पहले यहां सात शिक्षक पॉजिटिव पाए गए थे। प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रो. शर्मा जून 2019 में सेवानिवृत्त हुए थे।

NBT PAGE 2

एलयू के पूर्व प्रो. एके शर्मा का निधन

एलयू के जूलॉजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एके शर्मा (64) का गुरुवार सुबह निधन हो गया। कोरोना संक्रमण की चपेट में आने के बाद उन्हें गोमतीनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। कोराना के कारण जान गंवाने वाले प्रो. शर्मा एलयू के तीसरे शिक्षक हैं। इससे पहले पिछले वर्ष सेवानिवृत्त प्रो. दिनेश कुमार (73 साल) और एप्लाइड इकोनॉमिक्स के प्रो. वीके गोस्वामी (52 वर्ष) का निधन संक्रमण के कारण हो चुका है। विवि प्रशासन ने प्रो. शर्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

एलयू: 10 तक सिर्फ ऑनलाइन कक्षाएं

■ एनबीटी सं., लखनऊ : कई शिक्षकों के संक्रमित होने के बाद एलयू प्रशासन ने गुरुवार को दस अप्रैल तक ऑनलाइन कक्षाएं चलाने का फैसला लिया है। इसके साथ ही अन्य शैक्षिक कार्य भी ऑनलाइन ही होंगे। इस बीच छात्रों ने छह अप्रैल से प्रस्तावित परीक्षाएं रद्द किए जाने पर सवाल भी उठाया है।

एलयू में आज से लगेगा कोरोना जांच कैंप

एलयू में शुक्रवार सुबह 11 बजे से कोविड-19 जांच कैंप लगेगा। शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थियों के सैंपल लिए जाएंगे। गौरतलब है कि सात शिक्षकों के संक्रमित और एक का निधन होने के बाद संपर्क में आने वाले भी संक्रमित हो सकते हैं। इसे देखते हुए ही कैंप लगवाया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि कई लोगों के संक्रमित होने की जानकारी के बावजूद जिम्मेदारों ने विवि बंद नहीं किया। ऐसे में संक्रमितों के संपर्क में आने वालों के मन में भी डर है।

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विवि में 10 अप्रैल तक आनलाइन कक्षाएं

जासं, लखनऊ : कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण की वजह से लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर की सभी कक्षाएं 10 अप्रैल तक आनलाइन चलेंगी। गुरुवार को कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह के पत्र पर जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने आनलाइन कक्षाएं संचालित कराने की स्वीकृति दे दी है।

बीते दिनों उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा के आदेश पर लविवि सहित सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में 31 मार्च तक आनलाइन कक्षाएं संचालित की जा रही थीं। गुरुवार को शासन ने फिर से निर्देश जारी किए हैं, जिसमें कहा है कि स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर कुलपति एवं जिलाधिकारी शिक्षण संस्थान को किसी अवधि के लिए शर्तों के अनुसार भौतिक रूप से बंद करने का निर्णय ले सकते हैं। इस दौरान कक्षाएं आनलाइन संचालित की जाएंगी। जहां परीक्षाएं चल रही हैं, वो पहले जैसे यथावत संचालित होंगी। इसमें कोविड-19 का पालन करना होगा। शासन का पत्र आने के बाद लविवि ने 10 अप्रैल तक आनलाइन कक्षाएं संचालित करने का फैसला लिया है लेकिन, इसकी मंजूरी के लिए जिलाधिकारी को पत्र भेजा है। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह का कहना है कि कोविड-19 के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से शिक्षक एवं छात्र हित में आनलाइन कक्षाएं 10 अप्रैल तक जारी रखने पर विचार किया है। जिलाधिकारी को पत्र भेजकर सहमति मांगी गई है।

कैंपस और विभागों में सन्नाटा

होली के बाद यानी एक अप्रैल को कुछ छात्र-छात्राएं आफलाइन पढ़ाई के लिए पहुंचे लेकिन, विभागों में सन्नाटा पसरा रहा। वाणिज्य, संस्कृत, विज्ञान व अंग्रेजी विभाग में शिक्षकों के कोरोना संक्रमित होने की सूचना से कुछ छात्र वहां नहीं गए।

बीएड के लिए 5.91 लाख ने किया आवेदन

जागरण संवाददाता, लखनऊ : संयुक्त बीड प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए विलंब शुल्क के साथ आनलाइन आवेदन का मौका बुधवार रात 12 बजे खत्म हो गया। इस बार 7,32,474 पंजीकरण के सापेक्ष 5,91,252 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। यह आंकड़े भी पिछले साल की अपेक्षा 41,252 अधिक हैं। आवेदन के बाद अब गुरुवार से अभ्यर्थियों को आनलाइन सिस्टम से आवेदन में संशोधन करने का मौका दिया गया है। इसकी समय सीमा चार अप्रैल तक रहेगी। इस दौरान अभ्यर्थी सिर्फ वर्ग, लिंग, भारांक तथा परीक्षा केंद्र में संशोधन कर सकेंगे।

बीएड कालेजों में दाखिले के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा 19 मई को प्रस्तावित है। इसके लिए बीते फरवरी से आनलाइन आवेदन शुरू हो गए थे। 31 मार्च लेट फीस के साथ मौका दिया गया था। बीएड की राज्य प्रवेश समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि बुधवार रात तक 5,91,252 अभ्यर्थियों के आवेदन पूरे हो गए। अब एक से चार अप्रैल तक अभ्यर्थी कुछ त्रुटियों को संशोधित कर सकते हैं। संशोधित आवेदन पत्र के प्रिंटआउट की मूलप्रति एवं छायाप्रति, उसकी पंजीकरण संख्या भविष्य के लिए अपने पास अवश्य सुरक्षित रखनी होगी।

चार तक है संशोधन का मौका
पिछले साल की अपेक्षा इस बार 41,252 बढ़ी अभ्यर्थियों की संख्या

तीन वर्ष में बीएड आवेदन की स्थिति

वर्ष	रजिस्ट्रेशन	आवेदन	विवि
वर्ष 2019 :	6,10,000	6,09,209	रुहेलखंड विवि
वर्ष 2020 :	5,50,000	4,31,904	लविवि
वर्ष 2021 :	7,32,474	5,91,252	लविवि

प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ने के लिए कालेजों को 30 तक मौका

लविवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2021-22 की केंद्रीयकृत प्रवेश प्रणाली के माध्यम से दाखिले के लिए कालेजों को 30 अप्रैल तक एक और मौका दिया है। जिन कालेजों ने अभी तक इस प्रक्रिया में प्रतिभाग नहीं किया है, वे 31 मार्च तक पाठ्यक्रम का विवरण व संबंधित शुल्क जमाकर ई-मेल lucentraizedadmission 2021@gmail.com पर आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने सभी प्राचार्यों को गुरुवार को पत्र जारी किया है। लविवि से सम्बद्ध लखनऊ में 174 कालेज संचालित हैं। पिछले साल कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध चार जिलों के 350 कालेज भी लविवि से संबद्ध हो गए। नए सत्र से यह कालेज भी विश्वविद्यालय के मानकों के अनुसार ही संचालित होंगे। कालेजों को जोड़ने के लिए लविवि ने 31 मार्च तक मौका दिया था। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि कोविड-19 की वजह से कालेजों को एक महीने का समय और दिया गया है।

HINDUSTAN PAGE 8

दस अप्रैल तक ऑनलाइन होगी पढ़ाई

एलयू

लखनऊ | निज संवाददाता

बढ़ते कोरोना वायरस से लखनऊ विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन कक्षाओं को चलाने का निर्णय लिया है, इसके लिए शासन से जरूरी आदेश भी जारी किए गए हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार विनोद कुमार सिंह ने बताया कि दस अप्रैल तक लखनऊ विश्वविद्यालय के सभी विषयों की ऑनलाइन कक्षाएं ही संचालित होंगी। गुरुवार को यह निर्देश जारी किए गए हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी को भी अवगत कराया गया है। एलयू में ऑनलाइन क्लास की अनुमति है लेकिन छह अप्रैल से प्रस्तावित सेमेस्टर परीक्षाओं को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। छात्रों की ओर से लगातार परीक्षा टालने की मांग की जा रही है।

वहीं कोरोना को देखते हुए एलयू सहयुक्त महाविद्यालय शिक्षक संघ ने छह अप्रैल से होनी वाली परीक्षाओं को टालने के साथ छात्रों को प्रमोट करने की मांग की है। लुआक्टा अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार पांडे का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में प्रोफेसरों के संक्रमित होने के बाद परीक्षाओं को टालने की जरूरत है। उन्होंने कुलपति से मांग की है कि छात्रों को दोबारा प्रमोट किया जाए।

आज लगेगा जांच शिविर

एलयू के पैविलियन ग्राउंड (प्राक्टर ऑफिस के सामने) में शुक्रवार को कोविड जांच शिविर लगाया जाएगा। शिक्षक कोविड जाच करा सकते है। सुबह 11 बजे से एक बजे तक शिविर चलेगा।

JAGRAN CITY PAGE I

खुलेगा राज

किस नदी में कौन-कौन सी धातु पाई जाती है? किससे प्रदूषण फैल रहा है? यह सारी जानकारियां अब नदियों में पाई जाने वाली मछलियों से मिलेगी। गंगा, यमुना और गोमती नदी पर किया गया यह शोध सफल रहा है :

बोल मेरी मछली ! कितना प्रदूषण

03 नदियों से 50-50 गोस्टी मछली की सेजाइटल हड्डी (ओटोलिथ) निकालकर किया परीक्षण तब पता चला पानी में मौजूद भारी धातुओं का

.4 माइक्रोग्राम लेड और .5 माइक्रोग्राम कॉपर गोमती नदी में पाया गया

अखिल सक्सेना ● लखनऊ

नदियों में पाई जाने वाली जिंक, कापर, मैगनीशियम, लेड जैसी भारी धातुओं की स्थिति का पता लगाना अब आसान हो जाएगा। इन नदियों में पाई जाने वाली मछलियों की ओटोलिथ (कान के अंदर की हड्डी) के जरिए यह संभव होगा। यह भी पता चल सकेगा कि इन मछलियों का सेवन सुरक्षित है या नहीं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग की शोध छात्रा फराह बानो ने शोध में यह तथ्य जुटाए हैं। प्रो. एम सेराजुद्दीन के निर्देशन में तीन साल तक हुए इस शोध में यह भी पता चला कि यमुना नदी में सबसे ज्यादा बेरियम, मैंगनीज, क्रोमियम, लेड और मैग्नीनिश्यम पाया जाता है। यहां आक्सीजन भी बहुत कम मिली है। जबकि गंगा में कापर और जिंक की मात्रा ज्यादा है। इसके पानी में पाई जाने वाली मछलियां खाना भी सेहत के लिए हानिकारक है।

लविवि के प्राणि विज्ञान विभाग में मछलियों पर लगातार शोध हो रहे हैं। वर्ष 2017 में विभाग की शोधार्थी फरहा बानो को नेट जेआरएफ क्वालीफाइ करने के बाद फेलोशिप मिली थी। जिससे उन्होंने 'फिश ओटोलिथ एज ए बायो इंडीकेटर आफ पॉल्यूशन' विषय पर शोध शुरू किया। विभाग के शिक्षक प्रो. एम. सेराजुद्दीन बताते हैं कि गंगा, जमुना और गोमती नदी में गोस्टी (वैज्ञानिक नाम ट्राइकोगेस्टर लेलिया) मछली पर शोध किया गया।

ये हैं तीन प्रमुख हड्डियां: इस मछली के इंटरनल इयर के अंदर तीन हड्डियां सेजाइटल, एसटेरिकस और लेपियस पाई जाती हैं, जिन्हें ओटोलिथ कहते हैं। इन्हें प्रदूषण और भारी धातुओं का इंडीकेटर कहा जाता है। यह भारी धातु प्रदूषण को रिकार्ड करता है। शोध के लिए तीनों नदियों से 50-50 गोस्टी मछली की सेजाइटल हड्डी (ओटोलिथ) निकाल कर परीक्षण किया तो पानी में भारी धातुओं का पता चला।

सेहत पर पड़ रहा असर: प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि जिन मछलियों में भारी धातु होती है, इन्हें खाने से मनुष्यों के शरीर पर असर पड़ता है। बच्चों में लेड की वजह से मानसिक ग्रोथ कम होने का खतरा तो वयस्क में नपुंसकता का खतरा अधिक होता है।

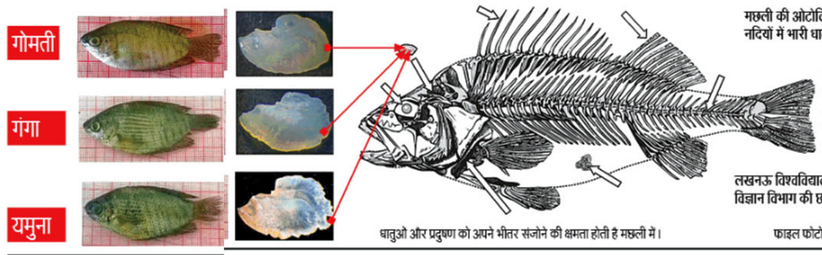

धातुओं और प्रदुषण को अपने भीतर संजोने की क्षमता होती है मछली में।

फाइल फोटो

एल्जेवियर में प्रकाशित होगा शोध

तीन साल के शोध के बाद आइ रिपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने वाले एल्जेवियर पब्लिशर्स ग्रुप को बीते दिसंबर में भेजा गया है। प्रो. एम सेराजुद्दीन के मुताबिक एलजेवियर के लिम्नोलोजिका जर्नल में विभाग के कई शोध प्रकाशित हो चुके हैं। हाल ही में तैयार की गई ओटोलिथ से यमुना, गंगा और गोमती नदी के प्रदूषण की रिपोर्ट को भी भेजा गया था। छपने के लिए उसका चयन हो गया है।

प्रो. एम सेराजुद्दीन

फराह बानो

यमुना का पानी अधिक प्रदूषित आक्सीजन भी कम

यमुना में ग्लास इंडस्ट्री और टेनरी की वजह से सबसे गंदा पानी मिला। प्रदूषण ज्यादा होने से मछलियों की आंखों का आकार बड़ा हो गया। यहां भारी धातुओं में जिंक 1.5 माइक्रोग्राम जिंक, बेरियम 13 माइक्रोग्राम प्रतिलीटर, लेड .7 माइक्रोग्राम, मैग्नीशियम 1.6 माइक्रोग्राम, मैंगनीज 3.5 माइक्रोग्राम, स्ट्रॉशियम 2.5 और क्रोमियम 11 माइक्रोग्राम पाया गया। यहां के पानी में घुलनशील आक्सीजन की मात्रा भी गोमती, गंगा की अपेक्षा सबसे कम 3.72 मिलीग्राम प्रतिलीटर पाई गई। क्षारीय पानी स्थित 8.09 पीएच (पोटेशियम ऑफ हाइड्रोजन) है। गंगा में यह आंकड़ा 4.02 और गोमती में 4.88 पीएच है। गंगा में जिंक 2.3 माइक्रोग्राम, लेड .5 माइक्रोग्राम, कापर 1.2 माइक्रोग्राम और गोमती में लेड .4 माइक्रोग्राम और कॉपर .5 माइक्रोग्राम पाया गया।

TOI PAGE 3

Former LU prof, who took 1st shot, loses Covid battle

'False -Ve Report Delays Treatment'

Times News Network

Lucknow: Covid-19 snatched yet another gem of the city on Thursday. Former head of Lucknow University's zoology department and ex-controller of examination Prof AK Sharma (64), despite taking first dose of Covid vaccine on March 10, got infected a week later and died in a private hospital after battling with the virus for 11 days.

Prof AK Sharma got his first Covid jab on March 10

He is survived by his wife and two daughters.

According to Prof Sharma's daughter Diksha, who teaches in National PG College, he experienced fever on March 21 and got himself tested on March 23 at a private diagnostic centre, where the RT-PCR test report then came negative. His family doctor later diagnosed pneumonia, but the condition did not improve despite medication. On doctor's advice, on March 25, he went to a hospital in Gomtinagar, where the CT Scan report indicated that he might have Covid-19. He was then admitted to ICU in a private Covid hospital in Gomtinagar where a second RT-PCR test on March 28 found him positive. He died on Thursday due to respiratory failure due to double pneumonia. Doctors said that he also had diabetes and hypertension.

Prof Sharma's colleagues in LU were shocked to learn about his demise and held the false Covid negative test report on March 23 that led to late diagnosis responsible for the unfortunate event.

"He used to follow Covid precautions religiously and stepped out of his house after a long gap to take the vaccine jab. Thereafter, he might have felt a bit secured and came to campus for his pension related work when he caught infection", said a colleague.

Prof Sharma is the third LU professor to have succumbed to Covid-19 in the past six months after former head Botany Prof Dinesh Kumar (73) and professor of applied economics Prof VK Goswami (52).

Apart from their contribution in science, Prof Sharma and Prof Kumar also have the credit of starting the institute of mass communication in science and technology, a unique initiative taken way back in 2000 and successfully running it for 20 years, producing many journalists. The loss of the two personalities sent a wave of sorrow among teachers and students.

The varsity mourned the death of Prof Sharma who was amongst the few protozoologists in UP. Students described Prof Sharma as soft-spoken and a brilliant academician. The zoology department held an online condolence meet to pay tribute to the departed soul.

"It's a great loss for the entire academic fraternity. Prof Sharma published around 80 research papers in national and international journals, besides supervising 20 PhDs and authoring two books in his 33 years career before retiring from services in 2019," said Prof Omkar of the zoology department.

"Prof Sharma did his PhD in 1982 under renowned proto zoologist Dr. BN Singh of Central Drug Research Institute and joined LU as a faculty in 1986. He was recipient of several prestigious awards for his research in science communication and environment protection," said Prof Amita Kanaujia of zoology department.

LU classes online till April 10; Covid testing camp today

Times News Network

Lucknow: Following pressure from the teachers' association, Lucknow University authorities on Thursday sought consent of the district administration to run classes on online mode till April 10 in view of the surge in Covid-19 cases.

In a quick response, district magistrate Abhishek Prakash has given permission to suspend offline classes and conduct them online till April 10.

The move comes after two more professors tested positive for the virus—one each from the institute of management sciences and commerce department—in the past 24 hours. The number of infected persons at LU is now nine.

A camp will be set up at Paranjape Sports Ground opposite the proctor's office for mass testing of staff from 11am to 1pm on Friday.

SAFETY FIRST

Meanwhile, students and teachers are worried and have demanded postponement of the undergraduate first-semester examination scheduled from April 6-21.

They pointed out that a retired professor has died due to Covid on Thursday and the condition of three faculty members currently hospitalised is serious.

A senior professor described the situation as scary.

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

Former LU exam controller dies after testing Covid +ve

LUCKNOW: Former exam controller of Lucknow University (LU) Prof AK Sharma, 64, succumbed to complications caused by the Covid-19 infection here on Thursday. Sharma was admitted in the ICU of a private hospital since March 27, after testing positive forCovid-19.

He had reportedly got his first dose of the Covid-19 vaccine on March 10 and was scheduled to take the second dose on April 8, according to his family and his social media post at the time of his inoculation. Sharma is survived by his wife and two daughters. A family member said he had mild fever on March 22.

"On March 23, we took my father for a Covid-19 test to a government approved testing centre. But his Covid-19 test came negative. After a few days, when his condition worsened, we took him to another hospital where he tested positive on March 27. Doctors put him on a ventilator there from which he could not recover," his elder daughter said.

Doctors at the private hospital declined to comment on the matter.

Lucknow University's zoology department, where Prof Sharma taught for decades, and the university administration condoled his death. On Wednesday night, the university officials issued a press release, stating that seven of its staff had tested positive. The list also included retired professor AK Sharma's name because he reportedly visited the campus last week. The LU administration has asked people who met Sharma on the campus to get tested for Covid-19.

Popular among students, Sharma was known for his energetic demeanour and calm approach. Several of his former students wrote condolence messages for Sharma on various social media platforms, where he was very active. HTC

Lucknow University physical classes to remain suspended

HT Correspondent
lkoreportersdesk@htlive.com

LUCKNOW : A Covid-19 testing centre of the health department will be set up at the pavilion ground at the Lucknow University on Friday, said LU spokesman Durgesh Srivastav.

The decision comes a day after several faculty members of Lucknow University tested positive for Covid-19.

Also, the university administration on Thursday asked the district authorities to conduct mass testing on the campus even as it decided to suspend physical classes and go for online mode of teaching till April 10.

"Many teachers and hostel wardens of the university have tested corona positive. In view of this, kindly make arrangements for mass testing on the campus to curtail further spread of the infection," reads a letter written by varsity registrar Vinod Kumar Singh to district magistrate and chief medical officer (CMO) on April 1.

On Wednesday, the university had said seven of its staff members, including a retired examination controller, had tested Covid positive. On Thursday the retired examination controller AK Sharma succumbed to complications caused by Covid-19 infection.

"We are taking all measures to prevent the spread of Covid-19 infection. Testing is a major part of ensuring this. So we have requested the district administration to arrange for mass testing on our campus," he said.

Earlier, the Lucknow University Teacher's Association had also urged the varsity to extend closure and continue online mode of teaching.